BACKGROUNDERS
Press Information Bureau
Government of India

रणनीतिक साझेदारी से वशेष और वशेषा धकार प्राप्त रिश्तों तक: भारत-रूस संबंधों पर एक ष्टि

3 दिसंबर, 2025

मुख्य बिंदु

1. वदेश मंत्री की अगस्त 2025 की यात्रा के दौरान, भारत और रूस ने 2030 तक 100 बि लयन अमेरिकी डॉलर के द् वपक्षीय व्यापार लक्ष्य की दिशा में प्रगति में तेजी लाने पर बल दिया, जिसमें भारत-ईएईयू एफटीए और रूस में दो नए भारतीय वा णज्य दूतावासों पर काम[1] शा मल है।
2. इंद्र-2025 नौसैनिक अभ्यास मार्च-अप्रैल 2025 में आयोजित कया गया था, जिसमें दोनों पक्षों के प्रमुख जहाजों और वमानों को शा मल करते हुए संयुक्त अभ्यास के माध्यम से निरंतर प्रचालनगत रक्षा सहयोग का प्रदर्शन कया गया[2] था।
3. भारत और रूस ने नवंबर 2025 में समुद्री परामर्श और भारत ऊर्जा सप्ताह 2025 में रूस की भागीदारी सहित कई उच्च-स्तरीय कार्यक्रमों के माध्यम से 2025 में सेक्टरवार सहयोग को आगे बढ़ाया[3]।

भारत-रूस द् वपक्षीय संबंध

रूस, भारत का लंबे समय से साझीदारी रहा है जो समय की कसौटी पर खरा उतरा है। **अक्टूबर, 2000 में भारत-रूस सामरिक भागीदारी घोषणापत्र** पर हस्ताक्षर करने के बाद से भारत-रूस संबंधों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जिसमें राजनीतिक, सुरक्षा, रक्षा, व्यापार और अर्थव्यवस्था, वज्ञान और प्रौद्यो गकी, संस्कृति और लोगों के बीच परस्पर सहयोग शा मल है। दिसंबर 2010 में, रूस के राष्ट्रपति की भारत यात्रा के दौरान इस साझेदारी को **"वशेष और वशेषा धकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी"** के स्तर तक बढ़ाया गया था।[4] इस साझेदारी के तहत सहयोग गति व धयों

[1] https://www.mea.gov.in/press-releases.htm?dtl/40040/Visit_of_External_Affairs_Minister_to_Russia_August_19__21_2025=
[2] https://indianembassy-moscow.gov.in/bilateral-relations-india-russia.php
[3] https://indianembassy-moscow.gov.in/bilateral-relations-india-russia.php
[4] https://www.mea.gov.in/Portal/ForeignRelation/India-Russia-Relations.pdf

पर नियमित परस्पर बातचीत और अनुवर्ती सहयोग कार्यकलाप सुनिश्चित करने के लिए राजनीतिक और आधिकारिक दोनों स्तरों पर कई संस्थागत संवाद तंत्र काम करते हैं।[5]

भारत-रूस अंतर सरकारी आयोग (आईआरआईजीसी) **जैसे औपचारिक संस्थानों के माध्यम से** भारत और रूस **रणनीतिक, आर्थिक और रक्षा स्तरों पर भी मिलकर काम करते** हैं। इसके दो भाग हैं: एक व्यापार, **आर्थिक, वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकीय और सांस्कृतिक सहयोग प्रभाग** (आईआरआईजीसी-टीईसी) है, जिसका नेतृत्व भारत के विदेश मंत्री (ईएएम) और रूस के प्रथम उप-प्रधानमंत्री (डीपीएम) करते हैं; दूसरा **सैन्य और सैन्य-तकनीकी सहयोग प्रभाग है** (आईआरआईजीसी-एम और एमटीसी) की अध्यक्षता दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों द्वारा की जाती है। दिसंबर 2021 में, **"2+2 संवाद"** नामक एक नया प्रारूप जोड़ा गया, जहां विदेश और रक्षा मंत्री दोनों एक साथ मिलते हैं। यह भारत के प्रधानमंत्री और रूस के राष्ट्रपति के बीच शिखर सम्मेलन स्तर की वार्ता के दौरान किया गया था।[6]

अंतर-सरकारी आयोग दोनों देशों के बीच व्यापार और आर्थिक सहयोग के क्षेत्रों में द्विपक्षीय प्रगति की नियमित निगरानी के लिए एक तंत्र है, जिसे मई 1992 में हस्ताक्षरित व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकीय सहयोग पर अंतर-सरकारी आयोग पर एक समझौते द्वारा स्थापित किया गया था[7]।

भारत-रूस राजनीतिक संबंध

भारत और रूस गहन तथा बहुस्तरीय राजनीतिक संबंधों के माध्यम से अपनी विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी का पोषण करना जारी रखे हुए हैं। सर्वोच्च संस्थागत तंत्र भारत के प्रधानमंत्री और रूस के राष्ट्रपति के बीच वार्षिक शिखर सम्मेलन है, जिसमें अब तक **22** शिखर सम्मेलन आयोजित हो चुके हैं।

[5] https://www.mea.gov.in/portal/countryquicklink/597_russia_january_2014.pdf
[6] https://www.mea.gov.in/Portal/ForeignRelation/India-Russia_june_2024.pdf
[7] https://www.mea.gov.in/press-releases.htm?dtl/36331/IndiaRussia_InterGovernmental_Commission_on_Trade_Economic_Scientific_Technological_and_Cultural_Cooperation_IRIGCTEC_Virtual_Review_Meeting

रूस के राष्ट्रपति महामहिम श्री व्लादिमीर पुतिन **23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन** के लिए 04 **से 05 दिसंबर 2025** तक फिर से भारत की यात्रा पर आएंगे। राष्ट्रपति श्री पुतिन की आगामी भारत यात्रा से दोनों देशों के नेताओं को भारत-रूस सहयोग की प्रगति की समीक्षा करने, हमारी विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी की भविष्य की दिशा तय करने और दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करने का अवसर मिलेगा[8]। पिछला (22वां) शिखर सम्मेलन 8-9 जुलाई 2024 को मास्को में आयोजित किया गया था, जिसके दौरान दोनों नेताओं ने ***"भारत-रूस: स्थायी और विस्तारित साझेदारी"*** *शीर्षक से एक संयुक्त वक्तव्य जारी किया था।*[9] 9 समझौता **ज्ञापनों** पर हस्ताक्षर करने के अतिरिक्त 2030 तक रणनीतिक आर्थिक सहयोग पर एक अलग संयुक्त वक्तव्य जारी किया गया। यात्रा के दौरान भारत के प्रधानमंत्री को भारत-रूस संबंधों में उत्कृष्ट योगदान के लिए रूस के सर्वोच्च राजकीय अलंकरण, ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल द फर्स्ट-कॉल्ड से सम्मानित किया गया। दोनों नेताओं ने 22 अक्टूबर 2024 को कज़ान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान[10] और फिर 01 सितंबर 2025 को चीन के तियानजिन में एससीओ राष्ट्राध्यक्षों की बैठक के अवसर पर फिर से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और सुदृढ़ करने के तरीकों पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद 15 जनवरी, 20 मार्च, 5 जून और 27 अगस्त 2024 के साथ-साथ 5 मई 2025 को बातचीत सहित टेलीफोन संपर्क निरंतर बनाए रखा है। इस दौरान उन्होंने आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के विरुद्ध लड़ाई में सहयोग को और सुदृढ़ करने के अपने दृढ़ संकल्प की पुष्टि की। इससे पूर्व भी, 08 और 18 अगस्त 2025 को राष्ट्रपति श्री पुतिन ने प्रधानमंत्री से बात की थी और उन्हें अमेरिका-रूस के अलास्का शिखर सम्मेलन के संदर्भ में यूक्रेन के संबंध में नवीनतम घटनाक्रमों के बारे में जानकारी दी[11] थी।

दोनों देशों के बीच मंत्रिस्तरीय और आधिकारिक स्तर की परस्पर बातचीत मजबूत बनी हुई है। विदेश मंत्री और रूस के विदेश मंत्री श्री लावरोव ने हाल ही में 17 नवंबर 2025 को एससीओ काउंसिल ऑफ हेड्स ऑफ गवर्नमेंट (सीएचजी) की बैठक के लिए विदेश मंत्री की मॉस्को यात्रा के दौरान भी मुलाकात[12] की। इस वर्ष दोनों मंत्रियों की छह बैठकें हो चुकी हैं: 17 नवंबर को मॉस्को (रूस), 27 सितंबर को न्यूयॉर्क (अमरीका), 21 अगस्त को मॉस्को (रूस), 15 जुलाई को तियानजिन (चीन), 07 जुलाई को रियो डी जनेरियो (ब्राजील) में और 20 फरवरी को जोहान्सबर्ग (दक्षिण अफ्रीका) में।

अगस्त 2025 में मॉस्को की यात्रा के दौरान विदेश मंत्री ने रूस के पहले उप-प्रधानमंत्री श्री मंतुरोव के साथ 26वें आईआरआईजीसी-टीईसी की सह-अध्यक्षता की। उन्होंने राष्ट्रपति श्री पुतिन और विदेश मंत्री लावरोव से मुलाकात की और **2030 तक 100 अरब डॉलर के व्यापार** को बढ़ाने पर बल दिया। उन्होंने **कज़ान और येकातेरिनबर्ग** में दो नए भारतीय वाणिज्य दूतावासों को शीघ्र खोलने, ऊर्जा संबंधों और **भारत-ईएईयू एफटीए** पर चर्चा की। उन्होंने यूक्रेन, मध्य पूर्व, पश्चिम एशिया और अफगानिस्तान में हाल के घटनाक्रमों की समीक्षा की। विदेश मंत्री ने भारत के इस विचार की

---

[8] https://www.mea.gov.in/press-releases.htm?dtl/40346/State_Visit_of_the_President_of_the_Russian_Federation_HE_Mr_Vladimir_Putin_to_India_December_04__05_2025=

[9] https://indianembassy-moscow.gov.in/bilateral-relations-india-russia.php#:~:text=Following%20the%20Summit%2C%20a%20Joint,signing%20of%209%20MoUs%2FAgreements।

[10] https://indianembassy-moscow.gov.in/bilateral-relations-india-russia.php#:~:text=Following%20the%20Summit%2C%20a%20Joint,signing%20of%209%20MoUs%2FAgreements।

[11] Brief on India -Russia Relations- Shared by mam

[12] Brief on India -Russia Relations- Shared by mam

पुष्टि की क मतभेदों को दूर करने के लए संवाद और कूटनीति सबसे रचनात्मक मार्ग हैं। उन्होंने रूसी सेना में सेवारत भारतीयों के बारे में भारत की चंताओं से भी अवगत कराया और लंबित मामलों के त्वरित तथा वचारशील समाधान की आशा व्यक्त[13] की।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ संह ने 26 जून 2025 को चीन के क़ंगदाओ में एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक से अलग रूस के रक्षा मंत्री श्री एंड्री बेलौसोव के साथ द् वपक्षीय बैठक की। उन्होंने इससे पहले सैन्य और सैन्य-तकनीकी सहयोग पर भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग (आईआरआईजीसी-एमएंडएमटीसी) की 21वीं बैठक की सह-अध्यक्षता करने के लए 8-10 दिसंबर 2024 तक मास्को का दौरा कया और राष्ट्रपति श्री व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार श्री अजीत डोभाल ने भारत-रूस एनएसए-स्तरीय रणनीतिक वार्ता के लए 07-08 अगस्त 2025 को मास्को का दौरा कया। यात्रा के दौरान, उन्होंने राष्ट्रपति श्री पुतिन से मुलाकात की और रूसी सुरक्षा परिषद के स चव श्री सर्गेई शोइगु, राष्ट्रपति श्री पुतिन के सहायक श्री नियोकोलाई पात्रुशेव और प्रथम उप प्रधानमंत्री श्री डेनिस मंटुरोव के साथ बैठकें कीं।[14] एनएसए ने सतंबर 2024 में ब्रिक्स एनएसए की बैठक के लए सेंट पीटर्सबर्ग का भी दौरा कया, जिसके दौरान उन्होंने राष्ट्रपति श्री पुतिन और सुरक्षा परिषद के स चव सर्गेई शोइगू से मुलाकात की। रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ ने 9 मई 2025 को रूस के 80वें वजय दिवस समारोह में भारत का प्रतिनि धत्व कया था।

कार्य स्तर पर वदेश स चव श्री वक्रम मस्री ने 7 मार्च 2025 को मॉस्को में उप- वदेश मंत्री एंड्री रुडेंको के साथ वदेश कार्यालय परामर्श कया। कई प्रारूपों में ये निरंतर उच्च-स्तरीय आदान-प्रदान भारत-रूस राजनीतिक संबंधों की गहराई, गतिशीलता और भ वष्योन्मुखी की गति को रेखां कत करते हैं।[15]

भारत और रूस ने **17 नवंबर, 2025** को नई दिल्ली में मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल और श्री निकोलाई पेत्रुशेव के नेतृत्व में उच्च स्तरीय समुद्री परामर्श आयोजित कया। दोनों पक्षों ने जहाज निर्माण, बंदरगाह वकास, लॉजिस्टिक्स और आर्कटिक सहयोग की समीक्षा की, अपनी रणनीतिक साझेदारी की पुष्टि की और दीर्घका लक कनेक्टि वटी तथा वकास का समर्थन करने वाले एक लचीले, कुशल एवं टिकाऊ समुद्री ढांचे के निर्माण के लए सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की[16]।

भारत-रूस आ र्थक संबंध

व्यापार और आ र्थक सहयोग बढ़ाने के लए सरकार के स्तर पर प्राथ मक तंत्र व्यापार, आ र्थक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक सहयोग के लए भारत-रूस अंतर सरकारी आयोग (आईआरआईजीसी-टीईसी) है, जिसकी सह-अध्यक्षता भारत की ओर से वदेश मंत्री और रूस की ओर से प्रथम उपप्रधान श्री डेनिस मंतुरोव करेंगे। आईआरआईजीसी-टीईसी का 26वां सत्र

[13] https://www.mea.gov.in/press-releases.htm?dtl/40040/Visit_of_External_Affairs_Minister_to_Russia_August_19__21_2025=
[14] Brief on India -Russia Relations- Shared by mam
[15] https://indianembassy-moscow.gov.in/bilateral-relations-india-russia.php
[16] https://www.pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=2191056&reg=3&lang=2

20 अगस्त 2025 को मॉस्को में आयोजित कया गया था और इसमें टैरिफ एवं गैर-टैरिफ व्यापार बाधाओं को दूर करने, लॉजिस्टिक्स की बाधाओं को दूर करने, कनेक्टि वटी को बढ़ावा देने, भुगतान तंत्र को सुचारू रूप से प्रभावी बनाने, 2030 तक आ र्थक सहयोग कार्यक्रम को समय पर अंतिम रूप देने और निष्पादन पर ध्यान केंद्रित कया गया था। सत्र में भारत-यूरे शयन आ र्थक संघ एफटीए के शीघ्र समापन पर भी जोर दिया गया। 2030 तक 100 बि लयन अमरीकी डालर के संशो धत द् वपक्षीय व्यापार लक्ष्य को प्राप्त करने के लए दोनों देशों के व्यवसायों के बीच निय मत बातचीत की आवश्यकता के साथ-साथ इसके वचारार्थ वषयों को अंतिम रूप दिया गया। पूर्ण सत्र के बाद, आईआरआईजीसी-टीईसी के 26वें सत्र के प्रोटोकॉल पर सह-अध्यक्षों द्वारा हस्ताक्षर कए गए। दोनों देश अपने नेताओं द्वारा निर्धारित महत्वाकांक्षी लक्ष्यों : **2025 तक 50 बि लयन डॉलर का आपसी निवेश और 2030 तक वा र्षक द् वपक्षीय व्यापार में 100 बि लयन डॉलर** की दिशा में काम कर रहे हैं[17]।

द् वपक्षीय व्यापार तेजी से बढ़ा है और **वत्त वर्ष 2024-25 में रिकॉर्ड 68.7 बि लयन डॉलर** तक पहुंच गया है, जिसमें भारतीय निर्यात **4.9 बि लयन डॉलर**[18] (मुख्य रूप से फार्मास्यूटिकल्स, रसायन, लोहा एवं इस्पात और समुद्री उत्पाद) तथा रूस से **63.8 बि लयन डॉलर** (मुख्य रूप से कच्चा तेल और पेट्रो लयम उत्पाद, सूरजमुखी तेल, उर्वरक, को कंग कोल और कीमती पत्थर/धातु) का आयात है।

पछले कुछ वर्षों के दौरान सेवाओं में द् वपक्षीय व्यापार स्थिर रहा है। वर्ष 2021 के लए यह रा श 1.021 बि लयन डॉलर थी। दोनों देशों के बीच द् वपक्षीय निवेश 2025 तक 50 अरब डॉलर के निवेश के लक्ष्य के साथ मजबूत बना हुआ है। भारत में रूस द्वारा प्रमुख द् वपक्षीय निवेश तेल और गैस, पेट्रोके मकल्स, बैं कंग, रेलवे और इस्पात क्षेत्रों में कया गया है, जब क रूस में भारतीय निवेश मुख्य रूप से तेल और गैस और फार्मास्यूटिकल्स क्षेत्रों में है[19]।

भारत-रूस रक्षा सहयोग

रक्षा भारत और रूस के बीच मजबूत मत्रता और रणनीतिक साझेदारी के सबसे महत्वपूर्ण हिस्सों में से एक है। दोनों देश 10 **साल के** वशेष समझौते का पालन करते हैं जो उनके सभी सैन्य और रक्षा प्रौद्यो गकी सहयोग का मार्गदर्शन करता है। **2021-2031 के लए सैन्य-तकनीकी सहयोग समझौता** 6 दिसंबर 2021 को नई दिल्ली में हस्ताक्षरित हुआ, जो ह थयारों और सैन्य उपकरणों के संयुक्त अनुसंधान, वकास, उत्पादन और बिक्री के बाद की सहायता पर केंद्रित है[20]।

दोनों देशों के बीच लंबे समय से चला आ रहा और व्यापक सैन्य तकनीकी सहयोग क्रेता- वक्रेता ढांचे से वक सत हुआ है जिसमें उन्नत रक्षा प्रौद्यो ग कयों और प्रणा लयों के संयुक्त अनुसंधान, वकास तथा उत्पादन शा मल हैं। रूस रक्षा उपकरण, इंजन, स्पेयर पार्ट्स और घटकों की आपूर्ति के लए भी एक महत्वपूर्ण स्रोत है। भारत में कई रक्षा प्लेटफॉर्म भी असेंबल/नि र्मत कए जाते हैं जैसे टी-90 टैंक और सुखोई-30 एमकेआई वमान। दोनों पक्ष रक्षा उपकरणों और प्लेटफार्मों के सह- वकास और सह-उत्पादन की भी खोज कर रहे हैं जिसमें ब्रह्मोस प्रणाली जैसे अन्य देशों को निर्यात की संभावना शा मल है।

---

[17] https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2189872&reg=3&lang=2
[18] russia-fact-sheet.pdf
[19] https://indianembassy-moscow.gov.in/bilateral-relations-india-russia.php
[20] https://indianembassy-moscow.gov.in/india-russia-defence-cooperation.php

सैन्य और सैन्य तकनीकी सहयोग पर भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग (आईआरआईजीसी-एमएंडएमटीसी) की सह-अध्यक्षता भारत के रक्षा मंत्री और रूस के रक्षा मंत्री द्वारा की जाती है। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ संह ने दिसंबर 2024 में रूस का दौरा कया और क लनिनग्राद में भारतीय नौसेना में एक फ्रगेट "आईएनएस तुशील" के जलावतरण में भाग लेने के अतिरिक्त 21वीं आईआरआईजीसी-एमएंडएमटीसी बैठक की सह-अध्यक्षता की। 01 जुलाई 2025 को, **नवीनतम स्टील्थ मल्टी-रोल फ्रगेट,** आईएनएस तमाल को भी **क लनिनग्राद में कमीशन कया गया था**[21]**।** आईआरआईजीसी-एमएंडएमटीसी की 5वीं बैठक 28-29 अक्टूबर, 2025 को नई दिल्ली में हुई।

भारत-रूस संयुक्त प्र शक्षण अभ्यास इंद्र-2025 का 14वां संस्करण 6-15 अक्टूबर, 2025 तक राजस्थान के बीकानेर में आयोजित कया गया था, जिसमें प्रत्येक पक्ष के 250 से अ धक सैनिकों ने भाग लया था। 10-16 सतंबर 2025 को, सेना, वायु सेना और नौसेना के 65 भारतीय सशस्त्र बलों के क र्मयों की एक टुकड़ी ने रूस के निज़नी नोवगोरोड में जैपड-2025 सैन्य अभ्यास में भाग लया। 28 मार्च-02 अप्रैल 2025 को, भारतीय और रूसी नौसेनाओं के बीच द् वपक्षीय नौसेना अभ्यास इंद्र 2025 दो चरणों - चेन्नई में बंदरगाह चरण और बंगाल की खाड़ी में समुद्री चरण- में आयोजित कया गया था । 10-16 सतंबर 2025 को, सेना, वायु सेना और नौसेना के 65 भारतीय सशस्त्र बलों के क र्मयों की एक टुकड़ी ने **रूस के निज़नी नोवगोरोड में** जैपड-2025 सैन्य अभ्यास में भाग लया।

29 अक्टूबर 2025 को, स चव (रक्षा उत्पादन) संजीव कुमार के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनि धमंडल ने सैन्य तकनीकी सहयोग एवं मास्को में रक्षा उद्योग पर भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग की 23वीं कार्य समूह की बैठक में भाग लया।

संयुक्त अनुसंधान एवं वकास और उत्पादन की ओर बदलाव

संयुक्त अनुसंधान, वकास और उन्नत प्रणा लयों का सह-उत्पादन शा मल करने के लए रक्षा सहयोग अब केवल क्रेता-वक्रेता व्यवस्था न रह कर इससे आगे वक सत हो चुका है। कुछ ह थयार प्रणा लयां निम्न ल खत हैं:

ह थयार प्रणाली	ववरण
ब्रह्मोस मसाइल[22] [23]	ब्रह्मोस क्रूज मसाइल प्रणाली भारत के डीआरडीओ और रूस के एनपीओ मा शनोस्ट्रोयेनिया (एनपीओएम) द्वारा संयुक्त रूप से वक सत की गई है, जो मसाइल प्रौद्यो गकी में भारत-रूस सैन्य-तकनीकी सहयोग की एक प्रमुख प्रणाली है।
सुखोई एसयू-30एमकेआई	भारत में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स ल मटेड (एचएएल) द्वारा बहु-भू मका वाले लड़ाकू वमान का लाइसेंस प्राप्त उत्पादन।
टी-90 टैंक[24]	भारत में टी-90एस भीष्म मुख्य युद्धक टैंकों का लाइसेंस प्राप्त उत्पादन।
एस-400 ट्रायम्फ	भारत द्वारा उन्नत लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मसाइल रक्षा प्रणाली (एसएएम)

[21] Brief on India -Russia Relations- Shared by mam
[22] https://www.brahmos.com/about-jv
[23] https://www.mea.gov.in/Portal/ForeignRelation/India-Russia_june_2024.pdf
[24] https://avnl.co.in/products/t90-bhishma

ह थयार प्रणाली	ववरण
	की खरीद। यह संयुक्त रूप से उत्पादित नहीं होता बल्कि खरीदा जाता है
आईएनएस वक्रमादित्य	पूर्व रूसी वमानवाहक पोत एड मरल गोर्शकोव का भारतीय नौसेना में नवीनीकरण और स्थानांतरण। भारत की अ धकांश पारंपरिक और परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बियां रूसी मूल की हैं।
एके-203 असॉल्ट राइफल्स[25]	"मेक इन इं डया" पहल के तहत, भारत के कोरवा में इंडो-रूस राइफल्स प्राइवेट ल मटेड (आईआरआरपीएल) के संयुक्त उद्यम द्वारा उत्पादन।

संसदीय सहयोग:

लोकसभा और रूसी स्टेट ड्यूमा (निचले सदन) के बीच अंतर-संसदीय आयोग ने संसदीय सहयोग को सु वधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भू मका निभाई है। इसकी स्थापना के बाद से इसकी पांच बार बैठक (2000, 2003, 2015, 2017, 2018) हो चुकी है। आयोग की सह-अध्यक्षता लोकसभा के अध्यक्ष और स्टेट ड्यूमा के अध्यक्ष द्वारा की जाती है। 5वां भारत-रूस अंतर संसदीय आयोग 09 दिसंबर 2018 को भारत में आयोजित कया गया था।

स्टेट ड्यूमा (रूस की संसद के निचले सदन) के अध्यक्ष श्री व्याचेस्लाव वोलो डन ने 02-04 फरवरी 2025 तक भारत की आ धकारिक यात्रा की। यात्रा के दौरान, वोलो डन ने राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति से मुलाकात की और लोकसभा अध्यक्ष के साथ द् वपक्षीय बैठक की। रूसी प्रतिनि धमंडल ने दोनों राज्यसभा और लोकसभा के तत्कालीन 2025 के बजट सत्र में भाग लया था। जुलाई 2024 में, लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने सेंट पीटर्सबर्ग में 10वें ब्रिक्स संसदीय मंच के लए भारतीय प्रतिनि धमंडल का नेतृत्व कया और चेयरमेन वोलो डन तथा रूसी संघ परिषद (संसद के ऊपरी सदन) की अध्यक्ष सुश्री वेलेंटीना मत वएन्को के साथ द् वपक्षीय बैठकें भी कीं।

पहलगाम आतंकी हमले और भारत के ऑपरेशन संदूर के संदर्भ में, सुश्री कनिमोझी करुणानि ध के नेतृत्व में एक सर्वदलीय प्रतिनि धमंडल जिसमें 5 सांसद और वरिष्ठ राजनयिक राजदूत मंजीव पुरी शा मल थे, ने 22-24 मई 2025 तक रूस का दौरा कया, जिससे क आतंकवाद के सभी रूपों और अ भव्यक्तियों के वरूद्ध भारत के एकजुट संकल्प और जीरो-टॉलरेंस ष्टिकोण को पेश कया जा सके। 21-26 जून 2025 तक लोकसभा सांसद डॉ. श श थरूर, जो अपनी व्यक्तिगत यात्रा पर थे, ने श्री कॉन्स्टेंटिन कोसाचेव (संघीय परिषद के उपाध्यक्ष) और श्री लयोनिद स्लटस्की (अंतर्राष्ट्रीय मामलों पर स्टेट ड्यूमा कमेटी के चेयरमैन) के साथ बैठकें कीं। 29-30 अक्टूबर तक लोकसभा सांसद श्री राजकुमार चाहर, लोकसभा सांसद डॉ. सी.एन. मंजूनाथ और राज्यसभा सांसद डॉ. वी. शवदासन सहित भारतीय संसदीय प्रतिनि धमंडल ने मॉस्को में सामाजिक और सांस्कृतिक मामलों पर ए शयाई संसदीय सभा की स्थायी स मति की बैठकों में भाग लया।

[25] https://irrpl.co.in/

वज्ञान और प्रौद्यो गकी

वज्ञान और प्रौद्यो गकी ने वशेष रूप से भारत की आजादी के बाद के शुरुआती दिनों में द् वपक्षीय भारत-रूस साझेदारी में महत्वपूर्ण भू मका निभाई है। आज, भारत और रूस मूलभूत वज्ञान, सामग्री वज्ञान, ग णत और भारत के मानवयुक्त अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम (गगनयान), नैनो टेक्नोलॉजीज आदि जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों पर एक साथ काम कर रहे हैं। भारत का एकमात्र परमाणु ऊर्जा संयंत्र त मलनाडु के कुडनकुलम में स्था पत कया गया है, जिसे रूस के सहयोग से स्था पत कया गया था। द् वपक्षीय सहयोग दिसंबर 2021 में नई दिल्ली में 21वें वा षक शखर सम्मेलन के दौरान हस्ताक्षरित वज्ञान, प्रौद्यो गकी और नवाचार के लए नए रोडमैप द्वारा निर्दे शत है। इससे दोनों देशों के बीच नवाचार संबंधी सहयोग को बढ़ावा मलने और प्रौद्यो ग कयों के व्यावसायीकरण और आ र्थक एवं सामाजिक प्रभाव की संयुक्त परियोजनाओं के लए पूर्ण-चक्र समर्थन पर ध्यान केंद्रित होने की उम्मीद है। वज्ञान और प्रौद्यो गकी पर रूस-भारत कार्य समूह की बैठकें, दोनों देशों के संबं धत मंत्रालयों, वश्व वद्यालयों और वैज्ञानिकों के प्रतिनि धयों के साथ, आईआरआईजीसी-टीईसी तंत्र के तहत निय मत रूप से होती हैं।

क्या आप जानते हैं?[26]

भारत और रूस के बीच अंतरिक्ष क्षेत्र में लंबे समय से सहयोग है। उनकी अंतरिक्ष एजें सयों, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और रोस्कोस्मोस ने एक साथ काम करने के लए समझौतों पर हस्ताक्षर कए हैं, जिसमें भारत का पहला मानव अंतरिक्ष उड़ान मशन, गगनयान भी शा मल है। इस साझेदारी के हिस्से के रूप में, भारतीय अंतरिक्ष यात्री पहले ही रोस्कोस्मोस के तहत रूस में अपना प्र शक्षण पूरा कर चुके हैं।

शक्षा:

शक्षा के क्षेत्र में भारत और रूस के बीच सहयोग बहुआयामी और दीर्घका लक प्रकृति का है। इस सहयोग के सबसे स्पष्ट पहलुओं में एक - च कत्सा, इंजीनियरिंग, अर्थशास्त्र, वज्ञान और अन्य वषयों के पाठ्यक्रमों के लए रूस के संस्थानों में लगभग 20,000 भारतीय छात्रों की उपस्थिति है। रूस में पढ़ने वाले भारतीय छात्रों में मे डकल छात्रों का सबसे बड़ा समूह है। इसके अतिरिक्त, हिंदी, संस्कृत और पाली जैसी भारतीय भाषाओं के अलावा कई रूसी वश्व वद्यालयों में इंडोलॉजी पढ़ाई जाती है। स्कूल स्तर पर **भारत का अटल इनोवेशन मशन और एसआईआरआईयूएस सेंटर** प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति पुतिन द्वारा परिकल्पित एक पहल के हिस्से के रूप में मलकर काम करते हैं। वश्व वद्यालयों/संस्थानों के बीच उच्च शक्षा में सहयोग के संदर्भ में, निम्न ल खत मुख्य तंत्र स क्रय भू मका निभा रहे हैं - दोनों सरकारों के बीच **शै क्षक आदान-प्रदान कार्यक्रम** (ईईपी), **भारत और रूस के उच्च शक्षा संस्थानों का नेटवर्क** (जिसे आरआईएन के रूप में जाना जाता है), **शैक्ष णक और अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने की योजना** (एसपीएआरसी), और **अकाद मक नेटवर्क** की वैश्विक पहल (जीआईएएन) कार्यक्रम।

रूस आईटीईसी छात्रवृ त्त के लए एक स क्रय भागीदार देश रहा है। 2024-25 में लगभग 17 रूसी नागरिकों ने आईटीईसी में भाग लया, जब क 2023-24 में, लगभग 23 रूसी नागरिकों ने आईटीईसी छात्रवृ त्त ली। जब क को वड-पूर्व वर्षों के

[26] https://indianembassy-moscow.gov.in/pdf/EoI%20Moscow,%20Chandrayaan%20press%20release%20ENG.pdf

दौरान यह संख्या 100 से अ धक थी। 19 सतंबर को, दूतावास ने आईटीईसी दिवस 2025 मनाया।

भारत-रूस सांस्कृतिक संबंध

भारत और रूस के बीच गहरे और सदियों पुराने सांस्कृतिक संबंध हैं, जो भारत की स्वतंत्रता से पहले के हैं। ये रूस के व्यापारी अफानासी नि कतिन की 15वीं शताब्दी की यात्राओं, अस्त्रखान में बसने वाले व्यापारियों और गेरा सम लेबेदेव द्वारा कोलकाता में एक रूसी थएटर की स्थापना से जुड़े हैं। प्रमुख रूसी वद्वानों और कलाकारों जैसे निकोलस रोरिक रू सयों की पीढ़ियां प्रतिष्ठित भारतीय फल्में देखते हुए बड़ी हुई हैं और 1980 के दशक के बाद से योग ने वशेष रूप से प्रमुख शहरों में अत्य धक लोक प्रयता अर्जित की है।

क्या आप जानते हैं?[27]

2019 में, रूस के राष्ट्रपति श्री पुतिन ने भारत और रूस के बीच वशेष मत्रता को सु ढ़ करने के लए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को रूस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, ऑर्डर ऑफ द होली एपोस्टल एंड्रयू द फर्स्ट से सम्मानित कया।

दोनों दिशाओं में पर्यटकों के प्रवाह में उल्लेखनीय वृद् ध और वीजा व्यवस्थाओं को सुगम बनाने के लए जारी प्रयासों के साथ लोगों के बीच परस्पर संपर्क सु ढ़ हो रहे हैं। मॉस्को में 1989 में स्था पत जवाहरलाल नेहरू सांस्कृतिक केंद्र, कथक, योग, तबला और हिंदुस्तानी गायन संगीत में निय मत कक्षाओं के साथ-साथ रूसी वश्व वद्यालयों और सांस्कृतिक संगठनों के साथ सहयोग के माध्यम से रूस में भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लए प्राथ मक संस्थान के रूप में कार्य करता है। कई रूसी वश्व वद्यालय और संस्थान भारतीय भाषाएं पढ़ाते हैं। सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम और आईसीसीआर-रूसी संस्कृति मंत्रालय प्रोटोकॉल (निय मत रूप से नवीनीकृत) के तहत, भारतीय सांस्कृतिक दल लगभग प्रति वर्ष रूस का दौरा करते हैं; 2023 में पांच समूहों ने कई क्षेत्रों में प्रदर्शन कया, जिसमें भारत की योद्धा महिलाओं, भरतनाट्यम, ओ डसी और राजस्थानी लोक नृत्य का प्रदर्शन कया गया। आईसीसीआर भारत में मान वकी, वज्ञान, आयुर्वेद, नृत्य और संगीत में उच्च अध्ययन करने के लए रूसी नागरिकों के लए चार सम र्पत छात्रवृ त्त योजनाएं भी प्रदान करता है।

क्या आप जानते हैं?

रूस की संस्कृति मंत्री सुश्री ओल्गा ल्यूबिमोवा ने मई 2025 में मुंबई में वश्व ऑ डयो वजुअल और मनोरंजन शखर सम्मेलन 2025 (वेव्स 2025) के लए भारत का दौरा कया तथा सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के साथ सनेमैटोग्राफी में द् वपक्षीय सहयोग पर चर्चा की।[28]

द् वतीय भारतीय फल्म महोत्सव 04-15 अक्टूबर 2025 तक पांच रूसी शहरों: मॉस्को, सेंट पीटर्सबर्ग, कज़ान, याकुत्स्क और व्लादिवोस्तोक में आयोजित कया गया था। मॉस्को शहर के मध्य क्षेत्र में पहली बार 5-13 जुलाई 2025 तक 9 दिवसीय सांस्कृतिक उत्सव 'भारत उत्सव-भारत महोत्सव' आयोजित कया गया। भारत के 100 अ धक कलाकारों और

[27] https://www.mea.gov.in/Portal/ForeignRelation/India-Russia_Dec_2022.pdf
[28] https://indianembassy-moscow.gov.in/bilateral-relations-india-russia.php

शल्पकारों के 120 से अ धक कार्यक्रमों के साथ यह उत्सव 8,50,000 मॉस्कोवा सयों की उपस्थिति को देखते हुए एक बड़ी सफलता थी। ग्यारहवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (2025) रूस के 60 से अ धक क्षेत्रों में मनाया गया। मॉस्को के वीडीएनकेएच परिसर (21 जून) में 1000 से अ धक लोगों ने आयुर्वेद और ध्यान पर योग प्रदर्शन और मास्टर कक्षाओं में भाग लया।

क्या आप जानते हैं?

भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ मनाने के लए मॉस्को के प्रतिष्ठित इवोल्यूशन टॉवर को 15 अगस्त 2021 को तिरंगे में रोशन कया गया था; आजादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में पूरे वर्ष सांस्कृतिक कार्यक्रम, पुस्तक और वशेष कार्यक्रम आयोजित कए गए

भारत 3-7 सतंबर 2025 के दौरान मॉस्को अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक मेले में 2025 के लए सम्मानित अति थ देश था। 11 अक्टूबर को, भगवान बुद्ध के प वत्र अवशेष प्रदर्शनी के लए ए लस्टा, काल्मि कया गणराज्य पहुंचे। अवशेषों के साथ उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य भी रूस गए और उनके साथ जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल श्री मनोज सन्हा भी भारत वापस आए।

अंतर्राष्ट्रीय/बहुपक्षीय संगठन और कनेक्टि वटी परियोजनाएं

भारत और रूस संयुक्त राष्ट्र, जी20, ब्रिक्स और एससीओ जैसे कई बहुपक्षीय मंचों पर घनिष्ठरूप से सहयोग करते हैं। 2023 में भारत की जी20 और एससीओ की अध्यक्षता और 2024 में रूस की ब्रिक्स अध्यक्षता के दौरान निय मत आदान-प्रदान तथा आपसी समर्थन के माध्यम से इस सहयोग को और सु ढ़ कया गया है। रूस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लए भारत की उम्मीदवारी के लए लगातार समर्थन व्यक्त कया है। भारत 2026 में ब्रिक्स की अध्यक्षता करेगा, यह अपनी प्र क्रयाओं के संस्थागतकरण के माध्यम से ब्रिक्स में सहयोग को सु ढ़ करने के लए काम करेगा।

निष्कर्ष

पछले 78 वर्षों में द् वपक्षीय संबंध मजबूत और स्थिर बने रहे हैं। भारत-रूस साझेदारी समकालीन युग में सबसे स्थिर रही है, जिसमें बहुध्रुवीय वश्व के लए साझा प्रतिबद्धता के साथ-साथ पारंपरिक सैन्य, परमाणु और अंतरिक्ष सहयोग से परे सहयोग का वस्तार करना है। पछले दो वर्षों में, द् वपक्षीय व्यापार में अत्य धक वस्तार हुआ है। भारत से निर्यात बढ़ाने के साथ-साथ सहयोग के नए मॉडल वक सत करने के तरीकों पर भी चर्चा हो रही है। दोनों देश वशेष

रूप से रूसी सुदूर पूर्व के साथ अंतर-क्षेत्रीय सहयोग को सु ढ़ करने और अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-द क्षण परिवहन ग लयारे, चेन्नई-व्लादिवोस्तोक पूर्वी समुद्री ग लयारे और उत्तरी समुद्री मार्ग जैसी कनेक्टि वटी पहल को बढ़ावा देना चाहते हैं। पूर्व, उसके संसाधनों और प्रौद्यो गकी की ओर रूस के केन्द्र बिन्दु तथा आत्मनिर्भर भारत एवं मेक इन इं डया जैसी भारत की अपनी प्रमुख पहलों के बीच एक व्यापक समन्वय है।

संदर्भ

वदेश मंत्रालय

- MEA Press Release - Visit of External Affairs Minister to Russia, Aug 19-21, 2025
- MEA Press Release - State Visit of Russian President to India, Dec 04-05, 2025
- MEA Press Release - India-Russia Inter-Governmental Commission Virtual Review Meeting
- India-Russia Treaties - RU73B1611 PDF
- India-Russia Foreign Relations - PDF
- India-Russia Foreign Relations, Jan 2014 - PDF
- India-Russia Foreign Relations, June 2024 - PDF
- India-Russia Foreign Relations, Dec 2022 - PDF
- https://www.mea.gov.in/Portal/ForeignRelation/India-Russia_Dec_2022.pdf
- https://www.mea.gov.in/press-releases.htm?dtl/38761/21st_session_of_IndiaRussia_InterGovernmental_Commission_on_Military__Military_Technical_Cooperation_Moscow#:~:text=The%20Russian%20Defence%20Minister%20emphasised,on:%2010/12/2024

पत्र सूचना कार्यालय

- PIB - India-Russia Defence Cooperation
- PIB - India-Russia MoU / Agreements

भारतीय दूतावास, मास्को

- India-Russia Bilateral Relations
- India-Russia Defence Cooperation
- India-Russia Cultural Relations
- Chandrayaan Press Release - Embassy
- OVERVIEW OF INDIA-RUSSIA ECONOMIC COOPERATION | Consulate General of India, Vladivostok, Russia

3. रक्षा एवं प्रौद्यो गकी

- BrahMos Joint Venture - About
- T-90 Bhishma Main Battle Tank - AVNL
- IRRPL India-Russia Cooperation
-

पीके वाईबी/एसकेजे/केसी/

(Backgrounder ID: 156315(